UP Board Important Questions Class 12 Chapter 2 सांस्कृतिक परिवर्तन (Bharat main Samajik Parivartan Evam Vikas)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
पंजाब से निकलने वाली महिलाओं की किस पत्रिका ने खुलकर बहु विवाह विरोधी प्रस्ताव का समर्थन किया?
उत्तर:
'तहसिब - ए - निसवान' नामक पत्रिका ने।

प्रश्न 2.
'तहसिब - ए - निसवान' क्या है?
उत्तर:
'तहसिब - ए - निसवान' पंजाब से निकलने वाली महिलाओं की एक पत्रिका है।

प्रश्न 3.
ब्रह्म समाज की स्थापना कहाँ हुई?
उत्तर:
बंगाल में।

प्रश्न 4.
आर्य समाज की स्थापना किस राज्य में हुई ?
उत्तर:
पंजाब राज्य में।

प्रश्न 5.
पुणे में महिलाओं के लिए पहला विद्यालय किस समाज सुधारक ने खोला?
उत्तर:
ज्योतिबा फुले ने।

प्रश्न 6.
जहांआरा शाह निवास ने किस कुप्रथा के विरुद्ध प्रस्ताव प्रस्तुत किया?
उत्तर:
बहु विवाह के विरुद्ध।

प्रश्न 7.
ब्रह्म समाज ने किस कुप्रथा का विरोध किया?
उत्तर:

सती प्रथा का।

प्रश्न 8.
संस्कृतीकरण की अवधारणा किसने प्रस्तुत की?
उत्तर:
एम.एन. श्रीनिवास ने।

प्रश्न 9.
संस्कृतीकरण सामान्य रूप से किस धर्म से सम्बन्धित है ?
उत्तर:
हिन्दू धर्म से।

प्रश्न 10.
जुलियस हक्सले द्वारा लिखे ग्रन्थों को किसने अनुवादित किया?
उत्तर:
कंदुकीरी विरेशलिंगम।

प्रश्न 11.
भारत में मुस्लिम महिलाओं की राष्ट्र स्तरीय संस्था का नाम लिखिये।
उत्तर:
'अंजुमन - ए - ख्वातीन - ए - इस्लाम'।

प्रश्न 12.
'अंजुमन - ए - ख्वातीन - ए - इस्लाम' की स्थापना किस सन् में हुई?
उत्तर:
सन् 1914 में।

प्रश्न 13.
19वीं सदी में भारत में प्रचलित किन्हीं दो सामाजिक कुरीतियों के नाम लिखिये।
उत्तर:

1. सती प्रथा
2. बाल - विवाह।

प्रश्न 14.
'द सोर्स ऑफ नॉलेज' नामक पुस्तक किसने लिखी?
उत्तर:
कंदुकीरी विरेशलिंगम ने।

प्रश्न 15.
समाजशास्त्री सतीश सबरवाल ने औपनिवेशिक भारत में आधुनिक परिवर्तनों की रूपरेखा से जुड़े किन तीन पहलुओं की विवेचना की है ?
उत्तर

https://www.evidyarthi.in/

1. संचार माध्यम
2. संगठनों के स्वरूप
3. विचारों की प्रकृति।

प्रश्न 16.
किस समाजसुधारक ने आर्यों के आगमन से पूर्व के काल को अच्छा माना?
उत्तर:
ज्योतिबा फुले ने।
प्रश्न 17.
किस समाजसुधारक ने आर्यों के युग को गरिमामय माना? उत्तर - बाल गंगाधर तिलक ने।

प्रश्न 18.
जहाँ गैर संस्कृतीकरण जातियाँ प्रभुत्वशाली थीं, वहाँ की संस्कृति को इन जातियों ने प्रभावित किया। इस प्रक्रिया को श्रीनिवास ने क्या नाम दिया है ? .
उत्तर:
विसंस्कृतीकरण।

प्रश्न 19.
क्या पश्चिमी संस्कृति को अपनाने वाला प्रजातंत्र और सामाजिक समानता भी अपनाता है ?
उत्तर:
यह आवश्यक नहीं है, अपना भी सकता है और नहीं भी।

प्रश्न 20.
क्या पश्चिमीकरण की प्रक्रिया अच्छाई की तरफ ले जाती है?
उत्तर:
पश्चिमीकरण की प्रक्रिया अच्छे - बुरे का आभास नहीं कराती।

प्रश्न 21.
पश्चिमीकरण के दो वाहक बताइये।
उत्तर:
पश्चिमीकरण के वाहक हैं:

1. अंग्रेजों के प्रत्यक्ष सम्पर्क में आने वाले भारतीय।
2. पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित भारतीय ।

प्रश्न 22.
संचार के विभिन्न स्वरूपों को किसने गति प्रदान की?
उत्तर:
नयी प्रौद्योगिकी ने ।

प्रश्न 23.
केशवचन्द्र सेन ने मद्रास का दौरा कब किया?
उत्तर:

1864 में।

प्रश्न 24.
बंगाल और पंजाब में किस आधुनिक सामाजिक संगठनों की स्थापना हुई?
उत्तर:
बंगाल में ब्रह्म समाज और पंजाब में आर्य समाज की स्थापना हुई।

प्रश्न 25.
भारत में पूँजीवाद का प्रारम्भ किस काल में हुआ?
उत्तर:
औपनिवेशिक काल।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
संस्कृतीकरण अवधारणा का क्या तात्पर्य है ?
अथवा
संस्कृतीकरण की अवधारणा से आप क्या समझते हैं?
अथवा
संस्कृतीकरण से क्या अभिप्राय है?

उत्तर:
संस्कृतीकरण का तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जिसमें दलितों या जनजाति या अन्य समूह, उच्च जाति की जीवन पद्धति, रीति-रिवाज नामों आदि का अनुकरण कर अपनी प्रस्थिति को उच्च बनाता है।

प्रश्न 2.
आधुनिकीकरण का क्या तात्पर्य है ?
उत्तर;
आधुनिकीकरण का तात्पर्य प्रौद्योगिकी और उत्पादन प्रक्रियाओं में होने वाले सुधार, पाश्चात्य ढंग के विकास, सार्वभौमिक प्रतिबद्धता और विश्वजनीन दृष्टिकोण तथा उपयोगिता और विज्ञान की सत्यता पर बल देने वाली प्रक्रिया से है।

प्रश्न 3.
धर्मनिरपेक्षता से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर:
पाश्चात्य संदर्भ में, धर्मनिरपेक्षता से आशय है - चर्च और राज्य की पृथकता। भारतीय संदर्भ में इससे आशय है - सर्वधर्म समभाव और धार्मिक अल्पसंख्यकों का राज्य द्वारा संरक्षण।

प्रश्न 4.
पश्चिमीकरण की परिभाषा दें।
उत्तर:

"पश्चिमीकरण में डेढ़ सौ वर्षों से अधिक के अंग्रेजी शासन के फलस्वरूप भारतीय समाज और संस्कृति में आए परिवर्तन तथा विभिन्न स्तरों पर प्रौद्योगिकी, संस्थाओं, विचारधाराओं और मूल्यों में आए परिवर्तन सम्मिलित हैं।"

प्रश्न 5.
आधुनिकीकरण और पश्चिमीकरण में अन्तर स्पष्ट कीजिये।
उत्तर:
आधुनिकीकरण में लोकतांत्रिक स्वतंत्रता और समानता के मूल्यों का समावेश होता है जबकि पश्चिमीकरण में पश्चिमी सांस्कृतिक तत्त्वों, जैसे-पाश्चात्य पोशाक, खाद्य पदार्थ, आम लोगों की आदतों तथा तौरतरीकों का समावेश होता है।

प्रश्न 6.
श्रीनिवास के अनुसार प्रभु जाति कौन हो सकती है?
उत्तर:
श्रीनिवास के अनुसार

1. स्थानीय कृषि-भूमि के बड़े भाग पर जिस जाति का स्वामित्व हो,
2. उसके सदस्य यथेष्ट संख्या में हों तथा
3. स्थानीय सामाजिक संस्तरण में उसका ऊँचा स्थान हो, वह जाति प्रभु-जाति हो सकती है।

प्रश्न 7.
राजा राममोहन राय ने सती प्रथा का विरोध किस प्रकार किया?
उत्तर:
राममोहन राय ने सती प्रथा का विरोध करते हुए न केवल मानवीय व प्राकृतिक अधिकारों से संबंधित आधुनिक सिद्धांतों का हवाला दिया बल्कि उन्होंने हिंदू शास्त्रों का भी संदर्भ दिया।

प्रश्न 8.
विसंस्कृतीकरण क्या है ?
उत्तर:
जहाँ गैर-संस्कृतीकरण जातियाँ प्रभुत्वशाली थीं तथा वहाँ की स्थानीय संस्कृति को इन जातियों ने प्रभावित किया। इस प्रक्रिया को श्रीनिवास ने विसंस्कृतीकरण की संज्ञा दी है।

प्रश्न 9.
पश्चिमीकरण का मध्य वर्ग पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर:
पश्चिमीकरण के प्रभावस्वरूप मध्य वर्ग की दो पीढ़ियों के सोचने, पहनने, ओढ़ने, बोलने-चालने आदि के तरीकों में काफी फर्क आ गया जिससे पीढ़ियों का संघर्ष जटिल हो गया।

प्रश्न 10.
पश्चिमीकरण चेतन प्रक्रिया है या अचेतन?
उत्तर:
पश्चिमीकरण चेतन और अचेतन दोनों प्रकार की प्रक्रिया है। जहाँ एक ओर कुछ लोगों ने जानबूझकर अंग्रेजी संस्कृति का अनुकरण किया, वहीं कुछ लोग अचेतन रूप से इससे प्रभावित हुए हैं।

प्रश्न 11.
क्या संस्कृतीकरण के कारण विभिन्न जातियों के बीच की दूरी कम हो रही है?
उत्तर:
हाँ, संस्कृतीकरण के कारण विभिन्न जातियों के बीच की दूरी कम हो रही है क्योंकि दलित जातियाँ उच्च जातियों के रीति-रिवाज व मूल्यों को अपना रही हैं तो ऊँची जातियाँ भी दलितों के व्यवसायों को अपना रही हैं।

प्रश्न 12.
सामाजिक संरचना का अर्थ बताइये।
उत्तर:
सामाजिक संरचना लोगों के सम्बन्धों की वह सतत् व्यवस्था है जिसे सामाजिक रूप से स्थापित प्ररूप के प्रतिमान के रूप में सामाजिक संस्थाओं और संस्कृति के द्वारा परिभाषित व नियंत्रित किया जाता है।

प्रश्न 13.
पश्चिमीकरण तथा आधुनिकीकरण ने जाति पर क्या प्रभाव डाला?
उत्तर:
पश्चिमीकरण तथा आधुनिकीकरण के कारण जाति-व्यवस्था कमजोर हुई है। अब जाति में खान - पान, व्यवसाय, निर्योग्यताएँ इत्यादि कमजोर हुए हैं।

प्रश्न 14.
औपनिवेशिक भारत में आधुनिक परिवर्तन से जुड़े संचार माध्यम के प्रमुख साधन कौन-कौन से थे?
उत्तर:
औपनिवेशिक भारत में आधुनिक परिवर्तन से जुड़े संचार माध्यम के प्रमुख साधन प्रिंटिंग प्रेस, टेलीग्राफ, माइक्रोफोन, लोगों के आवागमन के साधन एवं पानी के जहाज व रेल थे।

प्रश्न 15.
विरेशलिंगम के कार्यों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
उत्तर:
कंदुकीरी विरेशलिंगम की पुस्तक 'द सोर्स ऑफ नॉलेज' में नव्य - न्याय के तर्कों को देखा जा सकता है। उन्होंने जुलियस हक्सले द्वारा लिखे ग्रंथों को भी अनुवादित किया।

प्रश्न 16.
सुधारकों ने आधुनिकता और परम्परा पर विस्तृत वाद-विवाद किया। एक उदाहरण दीजिए।
उत्तर:
सुधारकों ने आधुनिकता और परंपरा पर विस्तृत वाद - विवाद किया। उदाहरण-जोतिबा फुले ने आर्यों के आगमन से पूर्व के काल को अच्छा माना जबकि बाल गंगाधर तिलक ने आर्यों के युग को गरिमामय माना।

प्रश्न 17.
सती प्रथा तथा बहुविवाह विरोधी याचिका में रूढ़िवादी हिन्दुओं द्वारा क्या तर्क दिया गया था?
उत्तर:
याचिका में रूढ़िवादी हिंदुओं द्वारा यह तर्क दिया गया कि सुधारकों को कोई अधिकार नहीं है कि वो धर्मग्रंथों की व्याख्या करें।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 18.
क्या आधुनिकीकरण केवल आर्थिक प्रक्रिया है?
उत्तर:
नहीं, आधुनिकीकरण एक बहुपक्षीय प्रक्रिया है जिसमें भौतिक शक्ति का वृद्धिकरण, उत्पादन के यंत्रों व साधनों में सुधार के साथ-साथ समाज में रहन-सहन का स्तर उच्च होता है।

प्रश्न 19.
आधुनिकता का क्या अर्थ है ?
उत्तर:
आधुनिकता का अर्थ है - सार्वभौमिक प्रतिबद्धता और विश्वजनीन दृष्टिकोण अपनाना; उपयोगिता, गणना और विज्ञान की सत्यता को महत्त्व देना; समूह के स्थान पर सामाजिक व राजनीतिक स्तर पर व्यक्ति को प्राथमिकता देना तथा इच्छा - आधारित समूह/संगठन में रहते हुए व कार्य करते हुए जन्म व भाग्यवादी प्रवृत्ति के स्थान पर ज्ञान तथा नियंत्रण क्षमता को प्राथमिकता देना।

प्रश्न 20.
आधुनिकता की तीन विशेषताएँ बताइए।
उत्तर:
आधुनिकता की विशेषताएँ ये हैं

1. सार्वभौमिक प्रतिबद्धता और विश्वजनीन दृष्टिकोण को अपनाना।
2. उपयोगिता, गणना और विज्ञान की सत्यता को महत्त्व देना।
3. सामाजिक और राजनैतिक स्तर पर समूह के स्थान पर व्यक्ति को प्राथमिकता देना।

प्रश्न 21.
भारतीय समाज में पश्चिमीकरण से क्या परिवर्तन आए?
अथवा
पश्चिमीकरण के दो प्रभाव लिखिये।
उत्तर:
पश्चिमीकरण के दो प्रभाव निम्नलिखित हैं।
(1) जीवन शैली और चिंतन पर प्रभाव:
पश्चिमीकरण के प्रभावस्वरूप लोगों ने पश्चिमी दृष्टिकोण से सोचना शुरू कर दिया। इसके अलावा नए पश्चिमी उपकरणों का प्रयोग, पोशाक, खाद्य - पदार्थ तथा आम लोगों की आदतों व तौर-तरीकों को प्रभावित किया।

(2) भारतीय कला व साहित्य पर प्रभाव:
भारतीय कला और साहित्य पर भी पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव पड़ा। रवि वर्मा के चित्र इसके स्पष्ट उदाहरण हैं।

प्रश्न 22.
"आधुनिक युग धार्मिक जीवन को आवश्यक रूप से विलुप्त करेगा।" इस पर अपने विचार लिखिये।
उत्तर:
यद्यपि धर्मनिर्पेक्षीकरण के सभी सूचक आधुनिक समाज में धार्मिक संस्थानों से लोगों की दूरी को बढ़ा रहे हैं

तथापि यह विचार कि आधुनिक युग आवश्यक रूप से धार्मिक जीवन को विलुप्त करेगा, पूरी तरह से सच नहीं है। उदाहरण के लिए संचार के आधुनिक प्रकारों, संगठन और विचार के स्तर पर नए प्रकार के धार्मिक सुधार संगठनों का उद्भव हुआ।

प्रश्न 23.
रानाडे ने विधवा विवाह के समर्थन में क्या तर्क दिया?
उत्तर:
रानाडे ने विधवा-विवाह के समर्थन में शास्त्रों का संदर्भ देते हुए 'द टेक्स्ट ऑफ द हिंदू लॉ' जिसमें उन्होंने विधवाओं के पुनर्विवाह को नियम के अनुसार बताया। इस संदर्भ में उन्होंने वेदों के उन पक्षों का उल्लेख किया जो विधवा पुनर्विवाह को स्वीकृति प्रदान करते हैं और उसे शास्त्र सम्मत मानते हैं।

प्रश्न 24.
नयी प्रौद्योगिकी के रूप में प्रिंटिंग प्रेस का क्या योगदान रहा?
उत्तर:
प्रिंटिंग प्रेस के द्वारा समाज सुधारकों ने जन-संचार के माध्यम जैसे-अखबार, पत्रिका आदि के माध्यम से भी सामाजिक विषयों पर वाद-विवाद जारी रखा। समाज सुधारकों द्वारा लिखे हुए विचारों का अनेक भाषाओं में अनुवाद भी हुआ।

प्रश्न 25.
सर सैयद अहमद खान द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:
सर सैयद अहमद खान ने इस्लाम की विवेचना की और उसमें स्वतंत्र अन्वेषण की वैधता (इजतिहाद) का उल्लेख किया। उन्होंने कुरान में लिखी गई बातों और आधुनिक विज्ञान द्वारा स्थापित प्रकृति के नियमों में समानता जाहिर की।

प्रश्न 26.
एक विचार के रूप में 'संस्कृतीकरण' की अनेक स्तरों पर समालोचना हुई है। आलोचना के किन्हीं दो बिन्दुओं को स्पष्ट कीजिये।
अथवा
संस्कृतीकरण की अवधारणा की कोई तीन आलोचनाएँ लिखिये।
उत्तर:
संस्कृतीकरण की अवधारणा की आलोचनाएँ

1. इसमें निम्न जाति की ऊर्ध्वगामी सामाजिक गतिशीलता को बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया है। इससे समाज में व्याप्त असमानता व भेदभाव समाप्त नहीं होते हैं।
2. इसमें उच्च जाति के लोगों की जीवन शैली का अनुकरण करने की इच्छा को वांछनीय और प्राकृतिक मान लिया गया है।
3. यह असमानता और अपवर्जन पर आधारित प्रारूप को सही ठहराती है।

https://www.evidyarthi.in/